दर्शनशास्त्र विभाग

पी0एच0–डी0 प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम
DEPARTMENT OF PHILOSOPHY
SYLLABUS FOR RESEARCH ENTRANCE TEST

इकाई – 1
अ-वैदिक दर्शन

चार्वाक – भौतिकवाद, प्रत्यक्ष सिद्धान्त, अनुमान का खण्डन, चार पदार्थ;

जैन – स्याद्वाद, सप्तभंगीनय, अनेकान्तवाद, द्रव्य : अस्तिकाय, अनस्तिकाय, जीव–अजीव, त्रिरत्न।

बौद्ध – प्रत्यक्ष, अनुमान, प्रमाण–व्यवस्था, प्रतीत्यसमुत्पाद, अनात्मवाद, क्षणिकवाद, शून्यवाद, त्रिरत्न (शील, समाधि, प्रज्ञा), निर्वाण।

Unit – 1
NON-VAIDIC PHILOSOPHY

Charvak – Materialism, Theory of Perception, Refutation of Inference, Four Categories.

Jain – Theory of Syādvāda, Saptabhangi Naya, Anekāntavāda, Substance : Astikāya, Anastikāya, Jiva–Ajiva, Tri-Ratna.

Buddhist – Perception, Inference, Pramāṇ-vyavastha, Dependent origination, No-soul-Theory, Momentariness, Shūṇyvād, Tri-Ratna (Sheel, Samādhi, Prajnya), Nirvān.

इकाई – 2
न्याय–वैशेषिक दर्शन

ज्ञान, ज्ञान के स्रोत, परतः प्रामाण्य, वस्तुवाद, प्रमाण–सम्प्लव, कार्य–कारण सिद्धान्त, ईश्वर के अस्तित्व में प्रमाण, न्याय–पदार्थ, वैशेषिक पदार्थ, परमाणु–सिद्धान्त, बन्धन, मोक्ष।

Unit – II
NYAYA–VAISHESHIKA

Knowledge, Sources of Knowledge, Parateh–Prāmānya, Realism, Pramāṇ-samplava, Theory of Causation, Proofs for the existence of God, Nyāya's Categories, Vaisheshika's Categories, Theory of Atoms, Bondage, Liberation.

इकाई – 3
सांख्य–योग

पुरूष एवं प्रकृति, उनके अस्तित्व के प्रमाण, गुणत्रय, पुरूष प्रकृति सम्बन्ध, सृष्टिक्रम, पुरूष–बहुत्व, सत्कार्यवाद, ज्ञान का स्वतः प्रामाण्य;

योग की परिभाषा, योग की विषयवस्तु, चित्त, चित्त की वृत्तियॉं एवं भूमियॉं, योग के आठ अंग, ईश्वर।

Unit – III
SANKHYA–YOGA

Purusha and Prakriti, Proofs for their existence, Three–Guṇas, relation of Purushaha and Prakriti, Evolution of the world, Plurality of the Purusha, Satkāryavāda. Svatah-prāmānya.of knowledge.

Definition of Yoga, The subject Matter of Yoga: Chitta, it's stages and vritties, Eight limbs of Yoga, God.

इकाई – 4
पूर्व मीमांसा–वेदान्त

शब्द, शब्दबोध, शब्द–प्रकृति, शब्द शक्तियॉं (अभिधा, लक्षणा, व्यंजना), संकेतग्रह (व्यक्तिवाद, जातिवाद, आकृति, व्यक्ति–जाति–आकृतिवाद), स्फोट–सिद्धान्त।

आत्मा, ज्ञान का स्वभाव, धर्म तथा धर्म–लक्षण, भावना। ब्रह्म, ईश्वर, जीव, जगत्, माया, अविद्या, अध्यास, विवर्तवाद, ज्ञान, कर्म, उपासना, अद्वैत, विशिष्टाद्वैत, शरणागति।

Unit – IV
PURVA MIMANSA-VEDANTA

Shabda, Shabdabodha, Nature of Shabda, Shabda-Shakti (Abhidha, Lakshana, Vyanjana,), Referent of a word (Vyaktivāda, Jātivāda, Ākritivāda, Vyakri-jāti-ākritivāda), The Theory of Sphota.

The soul, The nature of knowledge, Dharma and it's Characteristics, Bhāvanā, Brahma, Ishwar, Jiva, Jagat, Māyā, Avidya, Adhyāsa, Vivartavāda, Jñāna, karma, upāsanā, Advaita, Vishishtadvaita, Sharnāgati.

इकाई – 5
तर्कशास्त्र

तर्कशास्त्र की परिभाषा, तर्कशास्त्र का क्षेत्र, आगमन, निगमन, सत्य एवं वैधता, तार्किक प्रतीक, सत्य–सारणियाँ, विचार के नियम– तादात्म्य का नियम, व्याघात नियम एवं मध्य परिहार का नियम । न्याय वाक्य, पंचावयव, हेतु, हेत्वाभास, व्याप्ति, कान्ट्रेरी तथा सब–कान्ट्रेरी प्रतिज्ञप्तियाँ,।

Unit- V
LOGIC

Definition of Logic, Scope of Logic, Induction, Deduction, Truth and Validity, Logical Symbols, Truth– Tables, Laws of Thought – Law of Identity, Law of Contradiction and Law of excluded middle. Syllogism, Panchavayava, Hatu, Hetvābhāsa (Fallacies of inference) Vyāpti, Contrary and sub-contrary propositions.

इकाई – 6
भारतीय एवं पाश्चात्य नीतिशास्त्र

भारतीय नीतिशास्त्र का स्वभाव तथा क्षेत्र, शुभ–अशुभ, पुरूषार्थ–चतुष्टय, वर्णाश्रम धर्म, स्थितिप्रज्ञता, प्रवृत्ति एवं निवृत्ति मार्ग, गीता में ज्ञानयोग, भक्तियोग,एवं कर्मयोग; चार आर्य सत्य, त्रि–रत्न।

पाश्चात्य नीतिशास्त्र का स्वभाव,एवं क्षेत्र, नैतिक–निर्णय, सुखवाद, उपयोगितावाद, शुभ और अशुभ की परिभाषा, प्राकृतिक हेत्वाभास, संकल्प की स्वतंत्रता, दण्ड के सिद्धान्त, नैतिकता, उचित–अनुचित,कैटेगरीकल इम्परेटिव ,काण्ट का नैतिक सिद्वान्त।

Unit – VI
INDIAN AND WESTERN ETHICS

Nature and scope of indian Ethics, Shubha-Ashubha, Purusārtha-Chatushtaya, Varṇashramdharmas, Sthitaprajñata, The ways of Pravitti and Nivritti, Jñāna, Bhakti Yoga and Karma yoga in Gita, Four noble truths, Tri-Ratna.

Nature and Scope of Western Ethics, Moral Judgment, Hedonism, Utalitarianism, definition of Good and Evil, Naturalistic Fallacy, Freedom of will, Theories of Punishment, Morality, Right & Wrong, calegorical Imporerative, Moral Theorie of Kant.

इकाई – 7
यूनानी एवं आधुनिक पाश्चात्य दर्शन

सुकरात एवं उनकी पद्धति, प्लेटो तथा उनका ज्ञान–सिद्धान्त, अरस्तु एवं उनका तत्त्व–सिद्धान्त, आगस्टाइन का ज्ञान–सिद्धान्त।

बुद्धिवाद : देकार्त्त, स्पिनोजा, लाइबनित्स;
अनुभववाद : लॉक, बर्कले, ह्यूम;
समीक्षावाद : काण्ट।
द्वन्द्ववाद : हीगेल–निरपेक्ष प्रत्यवाद

Unit – VII
GREEK & MODERN WESTERN PHILOSOPHY
(fundamental problems)

Socrates and his method, Plato and his theory of knowledge, Aristotle and his,metaphysics, Augustine's theory of knowledge.

Rationalism : Descartes, Spinoza, Leibnitz.
Empiricism : Locke, Berkeley, Hume.
Critical Philosophy: Immanuel Kant.
Dialecticism : Hegel -Absolutism

इकाई – 8
समकालीन पाश्चात्य दर्शन

हुसरल का आभास (फिनामिनोलोजिकल) सिद्धान्त : अनुभवातीत आत्मा, अस्तित्ववाद : क्रिकेगार्ड, हाईडेगर, सार्त्र जास्पर्स। ब्रैडले का आभास एवं सत् : सत्य के सिद्धान्त संसक्ततावाद, संवादितावाद अर्थक्रियावाद : विलियम जेम्स, , तार्किक भाववाद विट्गिन्स्टाईन–भाषायी खेल

Unit –VIII
CONTEMPORRY WESTERN PHILOSOPY

Husserl's Phenomenological Method, Transcendental Soul, Existentialism : Kiekegaard, Heidegger, Sartre, Jasspers, Bradley's, Appearance and Reality, Theories of truth-Correspondance theory, coherence Theory Pragmatism : William James, , Logical Positivism; Language-game of Wittgenstein.

इकाई – 9
समकालीन भारतीय दर्शन

स्वामी दयानन्द–दर्शन : वैदिक–दर्शन, ज्ञानमीमांसा, ईश्वर, जीव, एवं प्रकृति, मायावाद का खण्डन, श्री अरविन्द का अतिमानस विचार, परमतत्त्व एवं दिव्य आत्मा। स्वामी विवेकानन्द का व्यावहारिक वेदान्त, रवीन्द्रनाथ टैगोर का ईश्वर एवं धार्मिक अनुभूति, महात्मा गांधी – सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, साध्य–साधन–सिद्धान्त, रामराज्य।

Unit – IX
CONTEMPORARY INDIAN PHILOSOPHY

Philosophy of Swami Dayananda : Vaidik Philosophy, Epistemology, Ishwar, Jiva and Prakriti, Refutation of Māyāvada. Aurobindo's concept of Atimānasa, Superme Reality and Divine Soul.The practical Vedānta of swami Vivekananda, The Concept of Ishwar and Religious Experience of Rabindranath Tagore Mahatma Gandhi's Theory of Truth, Áhinsā, Satyāgraha End and Means, theoryRāmarājya,

इकाई – 10
सामाजिक एवं राजनैतिक दर्शन

व्यक्ति, परिवार, समाज, राज्य, राष्ट्र, अधिकार एवं कर्त्तव्य, स्वतन्त्रता, समानता, न्याय, लोकतंत्र, निरंकुशता, साम्यवाद, वैश्वीकरण, वैदिक समाजवाद, मृत्यु–दण्ड, मृत्यु का अधिकार, लिंग–असमानता।

Unit – 10
SOCIAL & POLITICAL PHILOSOPHY

Individual, Family, Society, State, Nation, Rights and Duties, Freedom, Equality, Justice, Democracy, Dictatorship, Communism, Globalization, Vaidic Socialism, Punishment of Death, Right to die, Feticide.

या

इकाई – 10
अनुसंधान विधि

प्रायोगिक विधि : मिल की अनुसंधान पद्धति, अन्वयविधि, व्यतिरेक विधि,अन्वयव्यतिरेक विधि, अवशेष विधि, सहचार विधि, विश्लेषणात्मक विधि, समीक्षात्मक विधि, ऐतिहासिक विधि, अनुसंधान विधियों का पारस्परिक सम्बन्ध।

OR

Unit – 10
RESEARCH METHODOLOGY

1- Experimental Method : (Research Method of Mill)
2- Anvaya – Vidhi, Vyatirek . Vidhi, Anvaya-Vyatirek.Vidhi.
3- Method of Residue.
4- Method of Concommitent Variations.
5- Analytical Method,
6- Critical Method,
7- Historical Method,
8- Mutual Relationship among research Methods.

REFERENCE BOOKS
PRIMARY & SECONDARY SOURCES

1- Sarvadarshansamgraha – Madhavacharya
2- Nyayamanjari – Jayanta Bhatt.
3- Navya-nyaya System of Logic – D.C.Guha.
4- Theory of Knowledge – R.M.Chisholm.
5- Knowledge And Belief : Ed.A.Phillips Griffiths.
6- Theory of Truth : Woozley.
7- A History of Philosophy : Frank Thilly
8- An Introduction to Philosophy Analysis : John Hospers.
9- Nyaya Theory of Knowledge – S.C.Chatterjee
10- Logic : N.Smith
11- Principia Ethica – G.E. Moore
12- Symbolic Logic – Bason O' Conner
13- Buddhist Logic – Stcherbatakey
14- Syadvadmanjari – Mallishen Suri
15- Arthasangraha – Laugakshi Bhaskar
16- Contemporary Western Philosophy – B.K.Lal
17- Philosophy of Word and its meaning – G.N.Shastri
18- Dout Belif and Knowledge – S. Bhattacharya
19- Brahmasutra Chatuhsutri – Shankara Bhashya
20- Dayananda Darshana – Vedaprakasha Gupta
21- भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय
22- भारतीय दर्शन की रूपरेखा – हिरियाना
23- भारतीय दर्शन – राधाकृष्णन
24- प्रमाण तत्त्व –लोकालंकार – वारिदेव सूरि
25- धर्म का उद्‌भव एवं विकास – टी0आर0शर्मा
26- नीतिशास्त्र सिद्धान्त के पांच प्रकार – सी0डी0ब्रॉड
27- नीतिदर्शन – वी0पी0वर्मा
28- पाश्चात्य आगमन तर्कशास्त्र – मसीह एवं झा
29- प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र – केदारनाथ तिवारी
30- समकालीन पाश्चात्य दर्शन – लक्ष्मी सक्सेना
31- समकालीन पाश्चात्य दर्शन – बी0के0लाल
32- सत्यार्थ प्रकाश – स्वामी दयानन्द
33- अरविन्द दर्शन – रामनाथ शर्मा

34- नीतिशास्त्र की भूमिका – लक्ष्मी सक्सेना
35- पाश्चात्य नीतिशास्त्र – एच0एन0मिश्रा
36- सांख्यकारिका – ईश्वरकृष्ण
37- पातंजलयो प्रदीप – स्वात्माराम
38- वेदान्तसार – सदानन्द
39- विवेक चूडामणि– शंकर
40- वर्मा अशोक कुमार–2006, सरल निगमन तर्कशास्त्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
41- तिवारी केदार नाथ– 2011,तर्कशास्त्र परिचय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
42- वर्मा अशोक कुमार–2006, प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र प्रवेशिका, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
43- आत्रेय शान्ति प्रकाश–1961,भारतीय तर्कशास्त्र तारा पब्लिकेशन्स वाराणसी
44- शुक्ल बदरीनाथ–2010 तर्कभाषा, मोतीलाल बनारसीदास,दिल्ली
45- डॉ0 गजाननशास्त्री मुसलगॉवकर –2009, तर्कभाषा,चौखम्बा पब्लिकेशन हाऊस
46- शर्मा बांकेलाल–1977 तर्कशास्त्र प्रवेश, हरियाणा साहित्य अकादमी चंडीगढ़
47- कोपी इरविंग एम0– तर्कशास्त्र का परिचय, एशिया बुक कम्पनी इलाहाबाद
48- वर्मा अशोक कुमार–2010,तत्वमीमांसा एवं ज्ञान मीमांसा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
49- तिवारी प्रो0 केदारनाथ–2006,तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
50- सिन्हा नीलिमा–2010,भारतीय ज्ञानमीमांसा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

PPI – 101
SYLLABUS FOR Ph. D. COURSE WORK
SUBJECT – PHILOSOPHY
PAPER – 1 (PHILOSOPHY)
CREDIT – 06

इकाई 1 –

दर्शन का अर्थभारतीय एवं : दर्शन के मुख्य क्षेत्र ,दर्शन की मुख्य शाखाएँ ,स्वरूप एवं प्रमुख भेद , - नीतिशास्त्र एवं तर्कशास्त्र ,ज्ञानमीमांसा ,पाश्चात्य तत्त्वमीमांसा

(अ) भारतीय तर्कशास्त्र – तर्क और ज्ञान का अर्थ– गौतमीय न्याय के अनुसार ज्ञान के स्रोत , प्रत्यक्ष , उपमान और शब्द। ,पंचावयव ,अनुमान

(आ) पाश्चात्य तर्कशास्त्र – सत्य एवं वैधताअनौपचारिक तर्क ,निगमनात्मक एवं आगमनात्मक युक्ति , दोष।

इकाई 2 –

अन्तर्विषयक क्षेत्र विज्ञान का ,सौन्दर्यशास्त्र ,राजनीतिक दर्शन ,समाज दर्शन ,धर्म दर्शन ,शिक्षा दर्शन : ज ,विधि का दर्शन ,कला का दर्शन ,दर्शनैव नीतिशास्त्र, विकास नीति।

इकाई 3 –

अनुप्रयुक्त दर्शन ,स्वास्थ्य विकास ,सामाजिक न्याय ,नारीवाद ,पर्यावरण दर्शन ,अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र : विभिन्न क्षेत्रों में योग की भूमिकाचिकित्सा दर्शन ,प्रौद्योगिकी दर्शन , आदि।

इकाई 4 –

परम्परागत क्षेत्र मूल ग्रन्थ एवं टीका आदि। :

(अ) वैदिक परम्परा –वेदसूत्रग्रन्थ। ,उपांग ,वेदांग ,

(आ) पौराणिक एवं तंत्र परम्परा

(इ) नास्तिक परम्परा – चार्वाकबौद्ध एवं जैन। ,

(ई) पर्सियन परम्परा

(उ) यहूदियतईसाइयत एवं इस्लामिक परम्परा। ,

इकाई 5 –

प्रमुख समकालीन भारतीय दार्शनिक – महर्षि दयानन्द : आर्य समाज के मूल सिद्धान्तस्वामी , – अम्बेडकर .आर.बी .डॉ नव्य बौद्धवाद।

PPI – 102
SYLLABUS FOR Ph. D. COURSE WORK
SUBJECT – PHILOSOPHY
PAPER – 2 (Research Methodology)
CREDIT – 06

इकाई 1 –

शोध प्रविधि – एक परिचय– शोध की प्रमुख प्रविधियाँ , समीक्षात्मक विधि ,विश्लेषणात्मक विधि , ,शोध प्रस्ताव का स्वरूप एवं उसका महत्व ,तुलनात्मक विधि एवं ऐतिहासिक विधि ,वर्णनात्मक विधि – शोध रूपरेखा का निर्माण एक चर्चा रूपरेखा के मूल तत्त्व। ,

इकाई 2 –

शोध सामग्री संकलन संग्रहित ,सामग्री के प्रमुख स्रोत ,सामग्री की प्रामाणिकता ,प्रामाणिकता के स्रोत , ग्रन्थ समीक्षा। ,शोधपत्र लेखन ,सन्दर्भ एवं सन्दर्भ सूची का निर्माण ,दस्तावेजीकरण

इकाई 3 –

सांख्यिकी – सांख्यिकी की परिभाषा एवं उसका अनुसंधान में महत्व। तथ्य का संकलन ,वर्गीकरण , विश्लेषण एवं निष्कर्ष। ,सारणीयन डाइलैक्टिक चिह्न एवं उनका प्रयोग।

इकाई 4 –

शोध कार्य में इन्टरनेट का प्रयोगदार्शनिक साहित्य का सामान्य ,इन्टरनेट से शोध सामग्री का संकलन , फाईल में माइक्रोसॉफ्ट वर्ड की फाईल को पी0डी0एफ0 ,परिचय एवं सम्बन्धित वेबसाईटों के नाम एवं पते पावर पॉइन्ट क ,बदलना ा सामान्य परिचय।

इकाई 5 –

विंडो का सामान्य परिचय एवं मुख्य कार्य ,माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस का सामान्य जानकारी ,एक्सप्लोरर , फॉर्मेटिंग। ,टिप्पणी लगाने की विधि-पाद ,फाईल एवं फोल्डर बनाना

Code PPI-103 Paper - III Research Ethics

(शोध नैतिकता)

Philosophy - दर्शनशास्त्र

CREDIT – 02

Marks: 70+30=100 Time: 3 Hours

इकाई :I - दर्शन, नैतिकता और वैज्ञानिक आचरण

.1दर्शन का परिचयपरिभाषा :, प्रकृति और स्रोत, अवधारणा, शाखाएं।

.2नैतिकतापरिभाषा :, नैतिक दर्शन, नैतिक निर्णयों की प्रकृति और प्रतिक्रिया।

.3विज्ञान और अनुसंधान नैतिकता, बौद्धिक निष्ठा और अनुसंधान अखंडता।

4मिथ्याकरण :वैज्ञानिक अनाचार ., मनगढंत और साहित्यिक चोरी)FFP)।

5चयनात्मक रिपोर्टिंग और आंकड़ों की भ्रमात्मक प्रस्तुति .।

इकाई :II - प्रकाशन नैतिकता

.1परिभाषा, परिचय और महत्व।

.2सर्वोत्तम अभ्यास :मानक स्थापित करने की पहल और दिशानिर्देश /COPE, WAME, आदि।

.3प्रकाशन अनाचारपरिभाषा :, अवधारणा, अनैतिक व्यवहार से निर्देशित समस्याएं और विपरीत, प्रकार।

.4प्रकाशन नैतिकता का उल्लंघन, लेखकत्व और सहभागिता, प्रकाशन अनाचार की पहचान, शिकायतें और अपील।

Unit: I - Philosophy, Ethics and Scientific Conduct.

1. Introduction to Philosophy: definition, nature and scope, concept, branches.
2. Ethics: definition, moral philosophy, nature of moral judgements and reactions.
3. Ethics with respect to science and research, Intellectual honesty and research integrity.
4. Scientific misconducts: Falsification, Fabrication, and Plagiarism (FFP)
5. Selective reporting and misrepresentation of data

Unit: II - Publication Ethics.

1. Definition, introduction and importance
2. Best practices / standards setting initiatives and guidelines: COPE, WAME, etc.
3. Publication misconduct: definition, concept, problems lead to unethical behaviour, and vice versa, types
4. Violation of publication ethics, authorship and contributor ship, Identification of publication misconduct, complaints and appeals